Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

D–7305

PAPER–III
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECT

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

संस्कृत-परम्परागत-विषयः

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECT

प्रश्नपत्रम्—III

प्रश्न-पत्र—III

PAPER—III

टिप्पणी : अस्य प्रश्नपत्रस्य शतद्वयम् (200) अङ्काः सन्ति । एवम् अस्मिन् चत्वारि (4) खण्डानि सन्ति। अभ्यर्थिभिः एषु समाहितानां प्रश्नानामुत्तरं पृथग्विहितविस्तृत निर्देशानुसारं देयम्।

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

खण्डम् – I

खण्ड – I

SECTION - I

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे निम्नाङ्कितानुच्छेदानाश्रित्य पञ्च (5) प्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकम्प्रश्नः प्रायः त्रिंशत् (30) शब्दैः समपेक्ष्यते। प्रत्येकम्प्रश्नः (5) पञ्चाङ्ककोऽस्ति। **(5x5=25 अंङ्काः)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x5=25 अंक)**

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. **(5x5=25 marks)**

अस्ति मगधदेशे धर्मारण्यसंनिहितवसुधायां शुभदत्तनाम्ना कायस्थेन विहारः कर्त्तुमारब्धः। तत्र करपत्रदायेमाणैकस्तम्भस्य कियद्दूरस्फाटितस्य काष्ठखण्डद्वयमध्ये कीलकः सूत्रधारेण निहितः। तत्र बलवान्वानरयूथः क्रीडन्नागतः। एको वानरः कालप्रेरित इव तं कीलकं हस्ताभ्यां धृत्वोपविष्टः। तत्र तस्य मुष्कद्वयं लम्बमानं काष्ठखण्ड द्वयाभ्यान्तरे प्रविष्टम्। अनन्तरं स च सहदचपलतया महता प्रयत्नेन तं कोलकमाकृष्टवान्। आकृष्टे च कीलके चूर्णिताण्डद्वयः पञ्चत्वं गतः। अतोऽहं ब्रवीमि–'अव्यापारेषु व्यापारम्' इत्यादि। दमनको ब्रूते–'तथापि स्वामिचेष्टानिरूपणं सेवकेनावश्यं करणीयम्।' करटको ब्रूते–सर्वस्मिन्नधिकारे य एव नियुक्तः प्रधानमन्त्री स करोतु। यतोऽनुजीविना पराधिकारचर्चा सर्वथा न कर्तव्या। प्रश्य पराधिकारचर्चां यः कुर्यात् स्वामिहितेच्छया। स विषीदति चित्काराद्गर्दभस्ताडितो यथा।

1. वर्तमानसमये मगधदेशस्य स्थितिः कुत्र वर्तते ? पुरा चास्य कीदृशी अवस्था आसीत् ?

2. अम सूत्रधारपदस्य कोऽर्थः ? तेन चात्र किं कृतम् ?

3. वानरस्य प्रकृतिमुपवर्ण्य अत्र तेन किं कृतामिति सम्यगुपपादयत।

4. अनधिकृतचेष्टायाः परिणामः प्रस्तोतव्यः।

5. सेवकेन किमाचरणीयं किञ्च नाचरणीयम्।

खण्डम् – II

खण्ड – II

SECTION - II

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे (5) पञ्चाङ्कात्मकाः पञ्चदश (15) प्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकं प्रश्नस्य उत्तरं प्रायः त्रिंशत् (30) शब्दैरपेक्ष्यते।

(5x15=75 अंङ्काः)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

6. सूर्यादिग्रहणामुच्चराशयः क्रमेण गणनीयाः।

सूर्यादि ग्रहों की उच्चराशियों की क्रम से गणना कीजिए।

State the उच्चराशिs of the ग्रहs in the proper order.

7. ग्रहाणां कक्षानुक्रमोऽधोऽधः क्रमेण लेखनीयाः।

ग्रहों की कक्षाओं का अनुक्रम अधोऽधःक्रम से लिखिए।

Write down the proper order of the कक्षाs of the ग्रहs gradually downwards.

8. छाद्यछादकयोरन्तराभावत्वं नाम ग्रहणं भवतीत्यत्र अन्तराभावस्य विश्लेषण विधीयताम्।

छाद्य-छादक के अन्तर के अभाव को ग्रहण कहते हैं, इस कथन में अन्तराभाव का विश्लेषणं कीजिए।

The term ग्रहण means अन्तराभाव of छाद्य-छादक. Analyse the nature of अन्तराभाव here.

9. समासस्य लक्षणं विलिख्य अव्ययीभावसमासः केषु केषु अर्थेषु भवतीति सम्यगुपपादयत।

समास का लक्षण लिखकर अव्ययीभाव समान किन-किन अर्थों में होता है ? भलीभाँति निरूपण कीजिए।

Write the definition of समास. What are the meanings in which अव्ययीभाव is prescribed ? Explain fully.

10. पञ्च स्त्रीप्रत्ययान् सोदाहरणं निर्दिशत।

किन्हीं पाँच स्त्री-प्रत्ययों का उदाहरण सहित निर्देश कीजिए।

State five स्त्री-प्रत्ययs with examples.

11. आर्थीभावना सोदाहरणं प्रस्तोतव्या।

उदाहरण सहित आर्थीभावना प्रस्तुत कीजिए।

Prepare a note on आर्थीभावना with examples.

12. न्यायोक्तदिशा प्रमाणनामानि उल्लिख्य यथेच्छमेकं प्रमाणं निरूपयत।

न्यायदर्शन के अनुसार प्रमाणों के नाम लिखकर किसी एक प्रमाण का निरूपण कीजिए।

Mention the names of प्रमाणs admitted by न्याय. Explain any one प्रमाण.

13. सांख्यानुसारं कानि पञ्चविंशतितत्त्वानीति निरूपयत।

सांख्यदर्शन के अनुसार पच्चीस तत्त्व कौन से हैं ? बतलाइए।

Show what are the twenty five तत्त्वs according to सांख्य.

14. राजधर्मः प्रतिपादनीयः।

राजधर्म का प्रतिपादन कीजिए।

Explain राजधर्मः.

15. ऋग्वेदस्य ब्राह्मणानि विलिख्य कस्यचिदेकस्य वैशिष्ट्यं प्रतिपादयता।

ऋग्वेद के ब्राह्मणों का नाम लिखकर किसी एक की विशेषताएं बतलाइए।

Mention the ब्राह्मणs of ऋग्वेद and state the characteristics of any one.

16. मम्मटोक्तदिशा शब्दशक्तीनां नामान्युल्लिख्य यथेच्छमेकस्या: स्वरूपं निरूपयत।

मम्मट के अनुसार शब्दशक्तियों के नाम लिखकर किसी एक के स्वरूप का निरूपण कीजिए।

Mention the names of शब्दशक्ति according to मम्मट and explain the nature of any one of them.

17. अलङ्कारस्य स्वरूपं प्रतिपाद्य अलङ्कारभेदाः निरूपणीयाः।

अलंकार के स्वरूप का प्रतिपादन कर अलंकार के भेदों का निरूपण कीजिए।

Explain the nature of अलंकार and show its varieties.

18. ईश्वरानीश्वरवादयोस्तुलनां कुरुत।

ईश्वरवाद और अनिश्वरवाद की तुलना कीजिए।

Make a comparison between theism and atheism.

19. विवर्तवादं सोदाहरणं प्रतिपादयत।

विवर्तवाद का उदाहरण सहित प्रतिपादन कीजिए।

Explain विवर्तवाद with examples.

20. अविद्याया: स्वरूपं निरूपयत।

अविद्या के स्वरूप का निरूपण कीजिए।

Determine the nature of अविद्या.

खण्डम् – III

खण्ड – III

SECTION - III

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे प्रत्येकम् ऐच्छिकावर्गः/विशेषज्ञतानुसारं पञ्च (5) प्रश्नाः सन्ति। अभ्यर्थिना केवलमेकमेवैच्छिक वर्गं समुपादाय। विशेषज्ञताम् आश्रित्य तस्मादेव प्रञ्च प्रश्नाः समाधेयाः। प्रत्येकें प्रश्नः (12) द्वादशाङ्कात्मकोऽस्ति, एवं तदुत्तरं प्रायः शतद्वय (200) शब्दैःअपेक्ष्यते।

(12x5=60 अंङ्काः)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

ज्योतिषम्

21. ग्रहाणां मध्यमायुःसाधनं कल्पितोदाहरणेन प्रदर्श्यताम्।

ग्रहों का मध्यम आयुःसाधन कल्पित उदाहरण द्वारा प्रदर्शित कीजिए।

Show how the ग्रहs determine मध्यमायुः with a suitable example.

22. पञ्चमभावात् विचारणीयान् विषयान् प्रतिपादयत।

पञ्चम भाव से विचारणीय विषयों का प्रतिपादन कीजिए।

Give an illustration of the विषयs which are to be discussed by the fifth भाव.

23. गुरुकृतारिष्ट भङ्गयोगौ व्याख्येयौ।

गुरु द्वारा दी अरिष्टभङ्ग योगों की व्याख्या कीजिए।

Give an explanation of the अरिष्टभङ्ग योग done by गुरु.

24. नक्षत्रमेलापके गुणोल्लेखपूर्वकं अष्टकूटान् विवृणुत।

नक्षत्रमेलापक में गुणसङ्ख्या के उल्लेख सहित अष्टकूटों का वर्णन कीजिए।

Having stated the गुणसङ्ख्या in the नक्षत्रमेलापक give a detail description of the अष्टकूटs.

25. कल्पितोदाहरणेन शतभिषानक्षत्रजातस्य विंशोत्तरीदशाया भुक्त भोग्यौ साधनीयौ।
कल्पित उदाहरण द्वारा शतभिषा नक्षत्र में उत्पन्न बालक की विंशोत्तरी दशा का भुक्त, भोग्य साधन कीजिए।
Explain the भुक्त भोग्य of the विंशोत्तरी दशा of a child born on the शतभिषानक्षत्र.

सिद्धान्तज्योतिषम्

21. अहर्गणसाधनं सोपपत्तिकं निरूपयत।
अहर्गण साधन की उपपत्ति बतलाइए।
Explain अहर्गण साधनोपपत्तिः.

22. ग्रहस्पष्टीकरणविधिः सम्यक् विमृश्यताम्।
ग्रहस्पष्टीकरण की विधि का भलीभाँति विमर्श कीजिए।
Explain elaborately the ग्रहस्पष्टीकरणविधि.

23. दिक्साधनोपपत्तिः प्रदर्श्यताम्।
दिक्साधन की उपपत्ति प्रदर्शित कीजिए।
Establish the दिक्साधन.

24. भूभ्रमणसिद्धान्तः समीक्ष्यताम्।
भूमिभ्रमण सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।
Discuss भूमिभ्रमण सिद्धान्त.

25. ग्रहणे कतिविधाः स्थितयो भवन्ति ? सम्यक् परिचीयताम्।
ग्रहण में कितनी स्थितियां होती हैं ? सभी की परिचय दीजिए।
How many स्थितिs are there in an eclipse ? Give an account of all of them.

व्याकरणम्

21. व्याकरणशब्दस्य व्युत्पत्तिं प्रदर्श्य शास्त्रस्यास्य उपयोगितां साधयत।
व्याकरण शब्द की व्युत्पत्ति बतलाकर उस शास्त्र की उपयोगिता सिद्ध कीजिए।
Give the derivation of the word व्याकरण and show the utility of this शास्त्र.

22. व्याकरणशास्त्रदिशा ध्वनिं विवेचयत।
व्याकरण शास्त्र की दृष्टि से ध्वनि का विवेचन कीजिए।
Examine the nature of ध्वनि according to व्याकरण.

23. धात्वर्थविमर्शं प्रतिपादयत।
धात्वर्थविमर्श का प्रतिपादन कीजिए।
Write an essay on धात्वर्थविमर्श.

24. 'नैतिक' पदे कः प्रत्ययः ? सूत्रनिर्देशपूर्वकं विशदी कुरुत।
नैतिक पद में कौनसा प्रत्यय है ? सूत्रोल्लेख पूर्वक स्पष्ट कीजिए।
What is the suffix in the word नैतिक ? Explain fully citing the rules.

25. कृत्यप्रत्ययविधायकानि सूत्राणि सोदाहरणं प्रतिपादनीयानि।
कृत्य प्रत्यय करनेवाले सूत्रों का उदाहरण सहित प्रतिपादन कीजिए।
Explain with examples the rules prescribing कृत्य प्रत्ययs.

मीमांसा

21. पूर्वमीमांसामाधृत्य विधिं विशदयत।
पूर्वमीमांसा के अनुसार विधि के स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
Explain in details the nature of विधि on the basis of पूर्वमीमांसा.

22. अन्विताभिधानवादं विवेचयत।
अन्विताभिधानवाद का विवेचन कीजिए।
Critically examine अन्विताभिधानवाद.

23. ''दर्शपौर्णमासाभ्यां स्वर्गकामो यजेत'' - मीमांसादृशा व्याख्यां करुत।
(स्वर्ग की इच्छा रखनेवाला दर्श पौर्णमास यज्ञ करें)
''दर्शपौर्णमासाभ्यां स्वर्गकामो यजेत'' - इस वाक्य की मीमांसा दृष्टि से व्याख्या कीजिए।
Explain following मीमांसा. ''दर्शपौर्णमासाभ्यां स्वर्गकामो यजेत''.

24. रुद्रयागं वर्णयत।
रुद्रयाग का वर्णन कीजिए।
Give an account of रुद्रयाग.

25. अपूर्वपस्य कोऽभिप्रायः ? युक्तिपूर्वकं स्पष्टयत।

अपूर्व पद का क्या तात्पर्य है ? युक्ति पूर्वक स्पष्ट कीजिए।

What is the significance of the term अपूर्व ? Explain clearly with reasons.

नव्यन्यायः

21. नव्यन्यायमाश्रित्य ईश्वरं साधयत।

नव्य न्याय के अनुसार ईश्वर को सिद्ध कीजिए।

Establish the ईश्वर according to Navya Nyaya.

22. प्रामाण्यवादं नव्यन्यायदृष्ट्या विशदयत।

नव्य न्याय की दृष्टि से प्रामाण्यवाद का वर्णन कीजिए।

Give an explanation of प्रामाण्यवाद according to Navya Nyaya.

23. आत्मनः स्वरूपं लिखत।

आत्मा के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

Describe the nature of the soul.

24. नव्यन्यायसम्मतमोक्षस्य किं स्वरूपम् ?

नव्य न्याय मत में मोक्ष का स्वरूप क्या है ?

Describe the nature of Liberation according to Navya Nyaya.

25. शाब्दबोधस्य का प्रक्रिया इति निरूपयत।

शाब्दबोध की प्रक्रिया का निरूपण कीजिए।

Give an illustration of the शाब्दबोध प्रक्रिया.

सांख्ययोगौ

21. सांख्यदर्शने गुणानां स्वरूपं विवेचयत।

सांख्यदर्शन में प्रतिपादित गुणों के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

Examine the nature of गुणs as explained in सांख्य.

22. प्रधानस्य कारणत्वं सांख्ये कथं साधितमिति निरूपयत।

प्रकृति की सांख्य में प्रतिपादित कारणता का निरूपण कीजिए।

Determine how प्रधान is established as the cause in सांख्य.

23. योगदर्शने समाधेः किं स्वरूपम् ? तस्य भेदमेकं विशदयत।

योगदर्शन में प्रतिपादित समाधि का स्वरूप बतलाकर किसी एक भेद को स्पष्ट कीजिए।

What is the nature of समाधि in योगदर्शन ? Describe in details any one of them.

24. पातञ्जलयोगमाश्रित्य नियमासनयोः विवेचनं करुत।

पातञ्जलयोग के अनुसार नियम एवं आसन दोनों का विवेचन कीजिए।

Discuss नियम and आसन on the basis of पातञ्जलयोग.

25. योगदर्शनानुसारं तिस्रः सिद्धयो निरूपणीयाः।

योगदर्शन में प्रतिपादित तीन सिद्धियों का निरूपण कीजिए।

Explain three सिद्धिs according to योगदर्शन.

तुलनात्मकदर्शनम्

21. एकान्तवादात् स्याद्वादस्य वैशिष्ट्यं प्रतिपादयत।

एकान्तवाद से स्वाद्वाद का वैशिष्ट्य बतलाइए।

Distinguish स्वाद्वाद from एकान्तवाद.

22. परिणामवादविवर्त्तवादयोः साम्यं वैषम्यं च स्पष्टयत।

परिणामवाद और विवर्त्तवाद की समानता और भिन्नता स्पष्ट कीजिए।

Clearly point out the similarities and dissimilarities of परिणामवाद and विवर्त्तवाद.

23. शून्यवादः क्षणभङ्गवादात् कथं भिन्न इति विवेचयत।

शून्यवाद क्षणभङ्गवाद से किस प्रकार भिन्न है ? विवेचन कीजिए।

Discuss how शून्यवाद is different from क्षणभङ्गवाद.

24. 'ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या' इत्यस्य पूर्वपक्षप्रदर्शनपूर्वकं समीक्षा करणीया।

'ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या' इस कथन का पूर्वपक्ष प्रस्तुत करके समीक्षा कीजिए।

'ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या' - Explain the पूर्वपक्ष of this view and critically examine it.

25. जैनबौद्धदर्शनयोस्तुलना कार्या।

जैन और बौद्धदर्शन की तुलना कीजिए।

Make a comparison between बौद्धदर्शन and जैनदर्शन.

शुक्लयजुर्वेदः

21. यजुर्वेदस्य कालनिर्धारणं कुरुत।
यजुर्वेद के काल का निर्धारण कीजिए।
Examine the date of Yajurveda.

22. शतपथब्राह्मणस्य वैशिष्ट्यं स्पष्टीकुरुत।
शतपथ ब्राह्मण के वैशिश्ट्य को स्पष्ट कीजिए।
Write a note on the importance शतपथ ब्राह्मण.

23. कियन्त्यो वैदिक्यः देवताः ? एकस्याः स्वरूपं प्रतिपादयत।
वैदिक देवता कितने प्रकार के हैं ? एक के स्वरूप का प्रतिपादन कीजिए।
How many Vedic deities are there ? Explain the nature of any one of them.

24. निरुक्तस्य महत्त्वं प्रतिपादयत।
निरुक्त के महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए।
Explain the importance of the Nirukta.

25. वेदानां धर्ममूलत्वं साधयत।
वेदों की धर्ममूलता को सिद्ध कीजिए।
Establish the धर्ममूलता of the Vedas.

माध्ववेदान्तः

21. प्रमाणस्य लक्षणं विलिख्य प्रत्यक्षप्रमाणं प्रतिपादयत।
प्रमाण का लक्षण लिखकर प्रत्यक्ष प्रमाण का प्रतिपादन कीजिए।
Give the definition of प्रमाण and explain the nature of प्रत्यक्ष.

22. माध्ववेदान्तदृशा ब्रह्मजीवयोर्भेदं प्रदर्शयत।
माध्व-वेदान्त के अनुसार ब्रह्म और जीव का अन्तर स्पष्ट कीजिए।
Show the distinction between ब्रह्म and जीव in the light of माध्व-वेदान्त.

23. तत्त्वमसीति महावाक्यस्यार्थं विमृशत।
'तत्त्वमसि' इस महावाक्य की विवेचना कीजिए।
Examine the meaning of the महावाक्य : तत्त्वमसि.

24. स्वत:प्रामाण्यवादं निरूपयत।
स्वत:प्रामाण्यवाद का निरूपण कीजिए।
Explain स्वत:प्रामाण्यवाद.

25. अनिर्वचनीयख्याति: माध्ववेदान्तानुसारं विवेचनीया।
माध्व-वेदान्त के अनुसार अनिर्वचनीयख्याति की विवेचना कीजिए।
Examine अनिर्वचनीयख्याति following माध्व-वेदान्त.

धर्मशास्त्रम्

21. धर्मशास्त्रोक्तदिशा धर्मस्य स्रोतांसि विवेचनीयानि।
धर्मशास्त्र के अनुसार धर्म के स्रोतों की विवेचना कीजिए।
Examine the sources of धर्म in the light of धर्मशास्त्र.

22. दायशब्दस्य कोऽर्थ: ? मिताक्षरानुसारं दायभागं विवेचयत।
दाय शब्द का क्या अर्थ है ? मिताक्षरा के अनुसार दाय भाग का विवेचन कीजिए।
What is the meaning of दाय ? Examine the division of दाय according to मिताक्षरा.

23. प्रायश्चित्तपदस्याभिप्रायं विलिख्य एकं प्रायश्चित्तं निरूपयत।
प्रायश्चित्त शब्द का अर्थ लिखकर एक प्रायश्चित्त का निरूपण कीजिए।
Show the significance of the word प्रायश्चित्त and discuss any one form of प्रायश्चित्त.

24. ब्राह्मप्राजापत्यविवाहयो: स्वरूपं प्रतिपादयत।
ब्राह्म और प्रजापत्य विवाह के स्वरूप का प्रतिपादन कीजिए।
Explain the nature of ब्राह्म and प्रजापत्य forms of विवाह.

25. नारीधर्मान्निरूपयत।
नारी-धर्म का निरूपण कीजिए।
Explain the duties of a नारी.

साहित्यम्

21. काव्यं यशसेऽर्थकृते व्यवहारविदे शिवेतरक्षतये।
सद्य: परनिर्वृतये कान्तासम्मिततयोपदेशयुजे।।
- कारिकेयं व्याख्यायताम्।
- इस कारिका की व्याख्या कीजिए।
- Explain this verse.

22. 'तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित्' इति मम्मटोक्तदिशा विवेचयत।
मम्मट के अनुसार 'तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित्' वाक्य का विवेचन कीजिए।
Explain the statement 'तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित्' according to मम्मट.

23. ध्वन्यालोकोक्तदिशा अभाववादिनां मतानि निरस्य 'काव्यस्यात्मा ध्वनिरिति' साधयत।
ध्वन्यालोक के अनुसार अभाववादियों के मत का निरास कर 'काव्यस्यात्मा ध्वनिः' इस मत को सिद्ध कीजिए।
Having refuted the opinions of अभाववादिनs according to ध्वन्यालोक, establish the theory 'काव्यस्यात्मा ध्वनिरिति'.

24. उचितं प्राहुराचार्याः सदृशं किल यस्य यत्।
उचितस्य च यो भावस्तदौचित्यं प्रचक्षते।।
- कारिकेयं सोदाहरणं विवेचयत।
- इस कारिका का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
- Explain the verse with example.

25. ये रसस्याङ्गिनो धर्माः शौर्यादय इवात्मनः।
उत्कर्षहेतवस्ते स्युरचलास्थितयो गुणाः।।
- कारिकेयं व्याख्यायताम्।
- इस कारिका की व्याख्या कीजिए।
- Explain the verse.

पुराणेतिहास

21. गृहस्थस्य कर्त्तव्यानि निरूपणीयानि।
गृहस्थ के कर्त्तव्यों का निरूपण कीजिए।
Give an account of the duties of a गृहस्थ.

22. पुराणेषु नारायणस्य किं स्वरूपं प्रतिपादितमिति स्पष्टयत।
पुराणों में नारायण का क्या स्वरूप प्रतिपादित किया है ? स्पष्ट कीजिए।
Clearly explain the nature of नारायण as found in the पुराणs.

23. पुराणमहत्त्वं प्रतिपाद्य दशावतारविषयं संक्षेपेण निरुपयत।
पुराणों के महत्त्व का प्रतिपादन करके दशावतार विषय का निरूपण कीजिए।
Show the importance of पुराण and write a brief note on दशावतार.

24. विदुरनीतेर्वैशिष्ट्यं प्रतिपादयत।
विदुरनीति की विशेषता का प्रतिपादन कीजिए।
Explain special features of विदुरनीति.

25. महाभारतकाले समाजस्य कीदृशी व्यवस्था आसीदिति विवेचयत।
महाभारत काल में समाज की कैसी व्यवस्था थी? विवेचन कीजिए।
Discuss the social conditions at the age of महाभारत.

आगम

21. आगमप्रतिपादितान् शक्तिभेदान् समुल्लिख्यान्यतमभेदं समुपर्णयत।
आगम में प्रतिपादित शक्तियों के भेदों को लिखकर उनमें से एक भेद का वर्णन कीजिए।
Mentioning all divisions of शक्ति as found in the आगमs, describe any one among them in detail.

22. आगमप्रतिपादितम्प्रत्ययस्वरूपं विमृशत।
आगम में प्रतिपादित प्रत्यय के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
Explain the nature of प्रत्यय as found in आगम.

23. आगमोक्तमध्यासस्वरूपं विवेचयत।
आगम में उक्त अध्यास के स्वरूप का विवेचन कीजिए।
Describe the nature of अध्यास as explained in आगमs.

24. मन्त्रपदस्य व्युत्पत्तिम्प्रदर्श्य तद्रहस्यन्निर्दिशत।
मन्त्र पद की व्युत्पत्ति प्रदर्शित करके उसके रहस्य का निर्देश कीजिए।
Give the derivation of the word मन्त्र and show its significance.

25. आगमानाम्महत्त्वम्प्रतिपाद्य तदुपयोगितां साधयत।
आगमों के महत्त्व को प्रतिपादित करके उनकी उपयोगिता को सिद्ध कीजिए।
Describe the greatness and usefulness of आगम.

अद्वैतवेदान्तः

21. अद्वैतवेदान्तमनुसृत्य ब्रह्मस्वरूंप विशदीकुरुत।
अद्वैत वेदान्त के अनुसार ब्रह्म के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
Describe the nature of ब्रह्म according to अद्वैत वेदान्त.

22. भगवत्पादैः प्रतिपादितं जगत्स्वरूपं निर्दिशत।
भगवत्पाद द्वारा प्रतिपादित जगत् के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
Describe the nature of जगत् as explained by भगवत्पाद.

23. तत्त्वमसीति महावाक्यं विमृशत।

तत्त्वमसि इस महावाक्य का विमर्श कीजिए।

Explain the महावाक्य 'तत्त्वमसि'.

24. अद्वैतवेदान्त प्रतिपादितम्मोक्षस्वरूपम्प्रतिपादयत।

अद्वैतवेदान्त में प्रतिपादित मोक्ष के स्वरूप का प्रतिपादन कीजिए।

Describe the nature of Salvation according to अद्वैतवेदान्त.

25. भारतीयदर्शनेष्वद्वैतवेदान्तस्य महत्त्वन्निरूपयत।

भारतीय दर्शनों में अद्वैतवेदान्त के महत्व का निरूपणा कीजिए।

Establish the importance of अद्वैतवेदान्त among the various systems of Indian Philosophy.

खण्डम् – IV
खण्ड – IV
SECTION - IV

टिप्पणी : अस्मिन् खण्डे चत्वारिंशदङ्कात्मकः (40) निबन्धाश्रेणीकः एकः प्रश्नोऽस्ति, यस्येस्तरं निम्नविषयाणां केवलम्, एकस्मिन् प्रायः सहस्रभितैः (1000) शब्दैरपेक्ष्यते।

(40x1=40 अंङ्काः)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

26. संस्कृतमाश्रित्य कमप्येकं विषयमवलम्ब्य निबन्धोलेखनीय :

किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिये :

Write an essay in Sanskrit on any one of the following :

(क) संस्कृत संस्कृतिश्चैवश्रेयसे समुपास्यताम्।

(ख) वेदोऽखिलो धर्ममूलम्।

(ग) प्रत्यक्षं ज्योतिषं शास्त्रम्।

(घ) रम्या रामायणी कथा।

(ङ) यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....